

von *Dräup.* 33, 54: *ununterbrochen schreien*. — 3) *kläglich schreien* —, *weinen machen*: *लोकान्सपालास्त्रिन्* — मुञ्जराक्रन्दपिप्यतः *Bhāg.* P. 3, 14, 38. (रत्नासि) *आक्रन्दपिप्यतः* *Vop.* 5, 5. — Vgl. *आक्रन्द* fgg.

— समा *kläglich schreien*: *हा तात धर्मराजसि समाक्रन्दन्महभये* *MBh.* 15, 1073.

— नि *herunter schreien*, von einem Vogel: *न्यक्रन्दिन्* *Nir.* 9, 4. — *caus. hineinbrüllen lassen*: *न्यक्रन्दपुप्यत एनम्* *RV.* 10, 102, 5.

— परि *caus. umrauschen*: *नृभिर्पितः परि कोशो अचिक्रदत्* *RV.* 9, 86, 20.

— प्र *laut anrufen*: *प्र व स्पृकक्रन्मुविताय द्वावेन* *RV.* 5, 59, 1. — *caus. rauschen*: *एष प्र कोशे मधुमा अचिक्रदत्* *RV.* 9, 77, 1.

— वि, *विक्रन्दित* n. *das Wehklagen* *R.* 2, 59, 30.

— सम् *zusammenschreien u. s. w.*: *सं मातृभिर्वावशानो अक्रान्* *RV.* 2, 11, 8. — *caus. durch Rauschen u. s. w. zusammenbringen, conclamare aliquid*: *सं चिक्रदो महे अस्मभ्यं वाजान्* *RV.* 9, 90, 4. — Vgl. *संक्रन्दन*. *क्रन्द* (von *क्रन्द*) m. 1) *das Wiehern*: *अश्वस्य* *AV.* 11, 2, 22. — 2) *Geschrei, Ruf* *AV.* 11, 2, 2, 4, 2.

क्रन्ददिष्टि (*क्रन्दत्*, partic. von *क्रन्द*, + 1. इष्टि) adj. *inter clamores festinans*, von *Vāju* *RV.* 10, 100, 2.

क्रन्दन (von *क्रन्द*) 1) m. *Katze* *ÇANDAM.* im *ÇKDr.* — 2) n. a) *Schlachtgeschrei* *AK.* 2, 8, 3, 76. 3, 4, 126. *H.* 1404. *H. an.* 3, 363. *Med. n.* 46. — b) *das Wehklagen* *AK.* 3, 4, 126. *H. an. Med.* *अन्तःपुर* *R.* 2, 65 und 4, 22 in den *Unterschr.* *PAÑĀT.* 213, 2. *क्रन्दनधनि* *Hir.* 98, 19. *क्रन्दनानुसराणा* 21.

क्रन्दन् (wie eben) m. *das Brüllen, Dröhnen*: *प्र क्रन्दन्नुर्भन्यस्य वेतु* *RV.* 7, 42, 1.

क्रन्दस् (wie eben) n. 1) *Schlachtgeschrei*: *शिमीवति क्रन्दसि प्रावं सा- तये* *RV.* 10, 38, 1. — 2) *du. die tobenden Schlachtreihen, die kämpfenden Parteien*: *यं क्रन्दसी संपती विह्वयेति* *RV.* 2, 12, 8. *तोके वा गोषु त- नये यदप्यु वि क्रन्दसी उर्वरासु ब्रवेति* 6, 25, 4. *यं क्रन्दसी अवंसा तस्तभाने अयेतेता मनसा रेजमाने* 10, 121, 6.

क्रन्द्य (wie eben) n. *das Wiehern*: *अश्वस्य* *TBa.* 2, 7, 3, 1. — Vgl. *प- र्जन्यक्रन्द्य*.

क्रप्, *कृपते*: *अकृपतः*, *अकृपिष्ठ*, *अकृपन्*, *चकृपतः*, *कृपमाणः* *ersehen, trauern; jammern, flehen*: *नार्के सुपर्णमुपपत्तिवांसं गिरौ वेनानामकृपत पूर्वीः* *RV.* 9, 85, 11. *उतो कृपत धीतयो देवानां नाम विधत्तः* 9, 99, 1. *वि- न्दत् ज्योतिश्चकृपत धीभिः* 4, 1, 14. 10, 123, 4. *एष स्तेमौ अचिक्रदद्दृषा त उत स्तामुर्ध्ववन्नकृपिष्ठ* 7, 20, 9. *मर्तानां चिदुर्वशीरकृपन्* 4, 2, 18. *विश्वे देवा अकृपत समीद्योर्निष्पतत्योः* 10, 24, 5. *कर्वा कृपमाणमकृणुतं विचने* 1, 116, 14. 119, 8. *अश्रूणि कृपमाणस्य यानि ज्ञीतस्य वावृतः* *AV.* 5, 19, 13. — *क्रप्*, *कृपते* *Mitleid haben; gehen* *Dräup.* 19, 9. — Vgl. *कृपा*, *कृप- प्*, *कृपा*, *कृपाय्*.

— *अनु sich sehnen nach, trauern um*: *अनु पूर्वीः कृपते वावशाना प्र- दीध्याना जोषमन्याभिरिति verlangend sehnt sie sich nach den vorange- gangenen* *RV.* 1, 113, 10.

क्रम् (*Dräup.* 13, 31), *क्रामति* (*P.* 7, 3, 76. *Vop.* 8, 68; ep. auch mit *Kürze*) und *क्रमते* (ep. auch *क्रामते*) *P.* 1, 3, 43. *क्राम्यति* (nicht zu bele- gen) 3, 1, 70. *Vop.* 8, 67 (*क्रम्यति*!); *ved. अक्रमुस्*: *क्रमेयम्* *MBh.* 3, 11175.

R. 5, 1, 45. *चक्राम* und *चक्रमे*: *अक्रमीत्* (*Vop.* 8, 69) und *अक्रमस्त*, *ved. अक्रमीम्*, *क्रमीम्*, *क्रमिष्ठ*, *क्रमते*, *चक्रमत्*, *चक्रमाणः*; *क्रमिष्यति*, *क्रम्यते*: *क्रात्रा*, *क्रात्रा* und *क्रमिवा* *P.* 6, 4, 18. *Vop.* 26, 209. *क्रातुम्* und *क्रमितुम्*: *क्रात*. Ueber den Bindevocal bei *क्रम* s. *P.* 7, 2, 36 und die Erklärer zu d. *St.* 1) *schreiten, gehen; zuschreiten auf* (acc.): *उरु क्रमिष्ठिरुगापायं ज्ञी- वसे* *RV.* 1, 155, 4. 6, 69, 5. 8, 52, 9. *उरु क्रमते धर्मे यज्ञत्रः* 1, 121, 1. *सुतस्य सानावधिं चक्रमाणाः* 10, 123, 3. *सोमोसा राये अक्रमुः* 9, 10, 1. *AV.* 7, 14, 4. *विजुक्रामानक्रमते* *TS.* 5, 2, 1, 7. *Çat. Br.* 1, 9, 2, 8. *देवा इमा लोकानक्रमत* 6, 7, 2, 10. *AV.* 4, 14, 2. *परस्तार्वाङ्गमते* *Çat. Br.* 1, 9, 2, 10. *Kirj. Çr.* 3, 8, 11. 16, 3, 11. *Çāṇkh. Çr.* 15, 17, 16. *समुद्रात्पश्चिमात्पूर्वं दन्तिणादपि चो- त्रम्*. *क्रामत्यनुदिते सूर्ये बाली व्यपगतत्तमः* || *R.* 4, 8, 4. *वृता द्विजाप्यै- रभिपूज्यमानः*. *चक्राम वज्रीव दितेः सुतेषु* *MBh.* 1, 7176. *R.* 4, 10, 17. *क्रा- मते वर्धमानं च धरणी मां न धारयेत्* 5, 3, 77. *Çāk.* 190. v. l. *Bhāṭṭ.* 8, 2. *क्रममाणीः* 25. *सुखं योजनपञ्चाशत्क्रमेयम्* *R.* 5, 1, 45. *यः शक्ता योजनशतं नि- रालम्बमपर्वतम्*. *क्रमितुम्* 4, 63, 23. *क्रमं वन्नध क्रमितुम्* (*Sch.*: = *उ- त्पतितुम्*) — *हरिः* *Bhāṭṭ.* 2, 9. *स्थापं स्थापं क्वचिवातं क्रात्रा क्रात्रा* (*Sch.*: = *उत्पुत्योत्पुत्य*) *स्थितं क्वचित्* — *मृगम्* 5, 51. — 2) *zu Jemand (Hülfe suchend) kommen*, mit dem loc.: *तस्मिन्क्रमे तस्मिं ह्ये* *AV.* 19, 17, 1. 4, 11, 12. — 3) *durchschreiten, überschreiten*: *क्रमेयं तो गिरिं चैव हनू- मानिव सागरम्* *MBh.* 3, 11175. *दिवं खं च पृथिवीं च* — *त्रिभिर्विक्रमणीः कृञ्ज क्रातवानसि तेजसा* 485. *Bhāg.* P. 8, 19, 33. *भवान्* — *तोणीम्* — *न- या सहोर् क्रमते* 5, 18, 28. *सागरमनाधृष्यं क्रमिवा* *R.* 5, 8, 21. *क्रातुं तो- यनिधिम्* *MBh.* 3, 16295. *तया लोकास्त्रयः क्राताः पुरा वै विक्रमैस्त्रिभिः* *R.* 6, 102, 27. 81, 18. ad *Çāk.* 78. — 4) *ersteigen*: *क्रमो वृतस्य शाखाम्* *ved. P.* 7, 1, 40, *Sch. beschreiten* (in der Begattung) *AV.* 4, 4, 7 (s. d. *Erll.*). *überragen*: *स्थितः सर्वोवतेनोर्वी क्रात्रा मेरुरिवात्मना* *Ragh.* 1, 14. — 5) *in Besitz nehmen, erfüllen*: *स दुर्गाश्रयमाश्रित्य दुर्गाणि क्रमतीव* (*sic*) *PAÑĀT.* 36, 9. *ते क्राता यथा चेतसि विस्मयेन* *Ragh.* 14, 17. — 6) *begehen, vollbringen*: *एतौ द्वौ — कदर्थकृत्य मां यदो वहुक्रातामतिक्रमम्* (*sic*!) *Bhāg.* P. 3, 16, 2. — 7) *an Etwas gehen, Etwas unternehmen, seine Kraft an Etwas wenden* (*सर्गे*, *Sch.*: = *उत्साहे*); *med. P.* 1, 3, 38. *व्याकरणा- ध्ययनाय क्रमते* *Sch.* *कष्टाय क्रमते* *P.* 3, 1, 14, *Sch.* *धर्माय क्रमते साधुः* *Vop.* 23, 30. *हवा रत्नांसि लवितुमक्रमीन्मार्तिः पुनः* । *अशोकवानिकामेव* *Bhāṭṭ.* 9, 23. Die Scholiasten erklären im letzten Beispiele *अक्रमीत्* durch *ज- गाम*; dagegen wird *मा स्म क्रस्था न संपुगे* (ebend. 15, 20) durch *मोत्साहे* n. *कार्षीः* *entwickele deine Energie* und das *med. durch P.* 1, 3, 38 erklärt. — 8) *med. gut von Statten gehen, festen Fuss fassen, Erfolg haben, eine Wirkung thun* (*वृत्तौ* und *तापने*) *P.* 1, 3, 38. *शास्त्रे क्रमते* (= *न प्रतिहृत्यते*) *बुद्धिः*, *अस्मिन्क्रमते* (= *स्पीतानि भवति*) *शास्त्राणि* *Sch.* *सुनु क्र- मते बुद्धिः*, *सता श्रीः क्रमते* *Vop.* 23, 80. *अन्येषामपि भूतानां न तत्र क्रमते बुद्धिः* *R.* 4, 44, 121. *तस्या लोकाः सकृन्नात सर्वकामसमन्विताः*. *न तत्र क्रमते मृत्युर्न जरा न च पायकः* || *MBh.* 13, 3918. *क्रुद्धैः शापा उक्ता महा- त्मभिः*. *नाक्रामत* (*richtiger SUND.* 2, 15, 16: *नाक्रमत*) *तयोस्ते ऽपि वर- दाननिराकृताः* || 1, 7666. fg. *दृष्टस्याशीविषेषाणि न तस्य क्रमते विषम्* 3, 8085. *क्रममाणा* (*Sch.*: = *अप्रतिबन्धेन प्रवर्तमानः*) *ऽरिसंसदि* *Bhāṭṭ.* 8, 22. — 9) *der grammatischen Operation des Krama unterliegen, verdoppelt werden*: *उकोरो नकारश्च क्रामतः* *RV. PAÑT.* 6, 4. *med. nach der Weise des Krama verfahren*: *क्रमेत सर्वाणि पदानि निब्रुवन्* *RV.*